Netaji Mazumdar Memorial College for Women
LIBRARY
Dakshineswar, Kolkata-35

WEST BENGAL STATE UNIVERSITY

B.A. Programme 6th Semester Examination, 2021

HINGDSE03T-HINDI (DSE2)

Time Allotted: 2 Hours | Full Marks: 50

The figures in the margin indicate full marks.
Candidates should answer in their own words and adhere to the word limit as practicable.

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए – 1×5 = 5

(क) निराला के प्रथम कविता संग्रह का नाम लिखिए।

(ख) 'जूही की कली' किस पत्रिका के द्वारा अस्वीकृत हुई थी ?

(ग) 'निराला की साहित्य-साधना' आलोचनात्मक पुस्तक के लेखक कौन है ?

(घ) छायावाद को स्थूल के विरुद्ध सूक्ष्म का विद्रोह किसने कहा है ?

(ङ) 'कुकुरमुत्ता' कविता का प्रथम प्रकाशन वर्ष बताइए।

2. निम्नलिखित पदों में से किन्हीं तीन की सप्रसंग व्याख्या कीजिए – 5×3 = 15

(क) कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;
श्याम तन, भर बंधा यौवन,
नत नयन, प्रिय-कर्म-रत मन,
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार-बार प्रहार:-
सामने तरु-मालिका अट्टालिका, प्राकार।

(ख) कल्पना का ही अपार समुद्र यह,
गरजता है हेर कर तनु, रुद्र यह,
कुछ नहीं आता समझ में,
कहाँ है श्यामल किनारा।

(ग) अमल-कोमल-तनु तरुणी--जुही की कली,
दृग बन्द किये, शिथिल--पत्रांक में,
वासन्ती निशा थी;
विरह-विधुर-प्रिया-संग छोड़
किसी दूर देश में था पवन
जिसे कहते हैं मलयानिल।

(घ) आँखें अलियों-सी
किस मधु की गलियों में फँसी,
बन्द कर पाँखें
पी रही हैं मधु मौन
अथवा सोयी कमल-कोरकों में ?-
बन्द हो रहा गुंजार-
जागो फिर एक बार!

(ङ) झूम-झूम मृदु गरज-गरज घन घोर।
राग अमर! अम्बर में भर निज रोर!
झर झर झर निर्झर-गिरि-सर में,
घर, मरु, तरु-मर्मर, सागर में,
सरित-तड़ित-गति-चकित पवन में,
मन में, विजन-गहन-कानन में,
आनन-आनन में, रव घोर-कठोर-
राग अमर! अम्बर में भर निज रोर!

3. निराला के जीवन और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए। 15

अथवा

पठित कविताओं के आधार पर निराला की काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 15

4. निराला के काव्य में व्यक्त प्रगतिवादी विचारधारा को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए। 15

अथवा

निराला के काव्य में वर्णित प्रकृति-चित्रण पर प्रकाश डालिए। 15

N.B. : *Students have to complete submission of their Answer Scripts through E-mail / Whatsapp to their own respective colleges on the same day / date of examination within 1 hour after end of exam. University / College authorities will not be held responsible for wrong submission (at in proper address). Students are strongly advised not to submit multiple copies of the same answer script.*

——×——